Exchange & Finance Available
Zelo Electric Scooter
Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

मालवा फर्स्ट

MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

14 जनवरी 2026

वर्ष - 03, अंक - 37 - मूल्य 02 रूपए

पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

अद्भुत, ऐतिहासिक, अकल्पनीय फीडे चेस टूर्नामेंट आयोजित कर

नीमच का नाम स्वर्ण अक्षरों में नाम दर्ज करवाया अरुल अशोक अरोरा ने...

नीमच के बच्चे बोले थैंक्यू अंकल...

(मालवा फर्स्ट)

✍ ऐश्वर्य शर्मा (पवन)

नीमच के अरुल अशोक अरोरा ने अद्भुत, ऐतिहासिक, अकल्पनीय FIDE चेस टूर्नामेंट नीमच में आयोजित करा कर नीमच का नाम स्वर्ण अक्षरों में नाम दर्ज करवाया दिया है। नीमच जो फुटबॉल खेल के लिए देश भर में विख्यात है, लेकिन अब हर खेल में बच्चे नीमच का नाम रोशन कर रहे है। स्विमिंग, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, हॉकी, जिम्नास्टिक, जूडो जैसे खेलों में नीमच के बच्चों ने देश भर में अपना लोहा मनवाया है।

वहीं नीमच की धरा पर इनडोर गेम्स में विशेष स्थान रखने वाले और सबसे ज्यादा दिमाग का उपयोग होने वाले शतरंज खेल में भी नीमच के बच्चे पीछे नही है। दिमागी

कसरत वाले इस खेल की भी एक से बढ़ कर एक प्रतिभाएं निकल कर सामने आई... सिर्फ सामने आयी ही नही बल्कि बड़े बड़े अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती भी देती हुई दिखी। और यह सब संभव हो सका अरुल अशोक अरोरा के प्रयासों से 8 व 9 जनवरी को नीमच के लायन डेन में नीमच के प्रख्यात समाजसेवी अरुल अरोरा ने अपने दादाजी स्व. श्री कश्मीरीलाल जी अरोरा की पुण्य स्मृति में एक अकल्पनीय, भव्य व ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) ओपन चैस टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया। यह आयोजन इस लिए भी खास था क्योंकि शतरंज जैसे खेल का नीमच में प्रथम बार इस अंतरराष्ट्रीय स्तर का टूर्नामेंट हुआ।

इस टूर्नामेंट में जहां देश के कौन कौन से आये शतरंज के चैंपियनों ने भाग लिया वहीं नीमच की छुपी हुई लगभग 200 से ज्यादा 5 वर्ष से लेकर वयोवृद्धों ने इसमें भाग लेकर अपनी पहचान FIDE और AICF में दर्ज करवाई। पहली बार नीमच ने देखा कि शतरंज के इतने सारे खिलाड़ी एक साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय मानकों व नियमों के साथ खेले। 150 चैस बोर्ड पर वह भी टाइमर के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के ऑर्बिटर के निगरानी में एक साथ 300 खिलाड़ी बैठे और दो दिन में 9 राउंड खेले। नीमच ही नही देश भर से आए खिलाड़ियों ने नीमच में हुए इस ऐतिहासिक आयोजन को लेकर समाजसेवी अशोक अरोरा (गंगानगर) की जमकर प्रसंशा की। प्रतियोगिता के दौरान वहां की 'ए' क्लास व्यवस्थाओं को लेकर जहां बच्चों के अभिभावक खुश दिखे तो वहीं बच्चें आयोजक अशोक जी अरोरा को थैंक्यू अंकल कहते दिखे। बच्चों का कहना था ऐसा टूर्नामेंट नीमच में होगा यह तो हमने सपने में भी नही सोचा था ।

विधायक परिहार एवं कलेक्टर की उपस्थिति में हुआ सामूहिक सूर्य नमस्कार

नीमच की शिक्षण संस्थाओं के हजारों विद्यार्थियों ने किया सूर्य नमस्कार

नीमच 12 जनवरी (निप्र)। प्रदेश के साथ ही सम्पूर्ण नीमच जिले में भी स्वामी विवेकानन्द जी के जन्म दिवस को युवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर सोमवार को सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम का आयोजन किया गया। जिले की सभी शिक्षण संस्थाओं और महाविद्यालयों में आयोजित सामूहिक सूर्य नमस्कार के कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारियों गणमान्य नागरिकों सहित हजारों छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। नीमच में स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस युवा दिवस के उपलक्ष्य में 12 जनवरी 2025 को जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीमच केंट, सांदीपनि विद्यालय में आयोजित किया गया। सामूहिक सूर्य नमस्कार का प्रातः 9:30 बजे से आकाशवाणी केंद्र से सीधा प्रसारण किया गया। राष्ट्रगान, वंदे मातरम, स्वामी विवेकानंदजी की वाणी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश के प्रसारण के साथ ही सामूहिक सूर्य नमस्कार एवं प्राणायाम किया गया। सामूहिक सूर्य नमस्कार में विधायक दिलीपसिंह परिहार, कलेक्टर हिमांशु चंद्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती वंदना खण्डेलवाल सहित विद्यार्थीगण, विद्यालय के प्राचार्य व शिक्षकगण, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारीगण छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने जिला स्तरीय सामूहिक सूर्य नमस्कार में अपनी सहभागिता निभाई और योग और प्राणायाम किया। जिला क्रिडा अधिकारी श्रीमती सावित्री मालवीय एवं जिला योग प्रशिक्षक सुश्री शबनम खान के नेतृत्व में अतिथियों और उपस्थित विद्यार्थियों ने सूर्य नमस्कार, योग एवं प्राणायाम किया। इस अवसर पर अतिथियों ने स्कूल परिसर में स्वामी विवेकानंद जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में भोपाल से रेडियों प्रसारण के साथ विधायक परिहार, कलेक्टर, एस.पी. एवं अधिकारियों और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने कतारबद्ध होकर प्रार्थनामुद्रा, हस्तउत्सासन, पादहासन, अश्वसंत्वासन पर्वतासन, अष्टांग नमस्कार, भुजगांसन कर सूर्य नमस्कार के सात आसानों की 12 स्थितियों के क्रम को दोहराया। साथ ही अनुलोम, विलोम, प्राणायाम, भस्त्रिका प्राणायाम एवं भ्रामरी प्राणायाम भी किया। इस अवसर पर एस.डी. एम. संजीव साहू, डिप्टी कलेक्टर पराग जैन, जिला शिक्षा अधिकारी एस.एम.मांगरिया, डी.पी.सी. दिलीप व्यास सहित अन्य जिला अधिकारी एवं निलेश पाटीदार, पार्षदगण एवं शिक्षकगण व बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थी ।

कर्मकाण्डीय विप्र परिषद ने किया मंडी व्यापारी संघ अध्यक्ष भारद्वाज का सम्मान

नीमच 13 जनवरी (निप्र)। शहर की प्रमुख धार्मिक एवं सामाजिक संस्था कर्मकाण्डीय विप्र परिषद की बैठक सोमवार को श्री भूतेश्वर महादेव मंदिर स्थित अन्नपूर्णा माता दरबार में आयोजित की गई। इस दौरान परिषद की आगामी गतिविधियों और समाज हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में विशेष रूप से नीमच कृषि उपज मंडी व्यापारी संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी राकेश भारद्वाज का अभिनंदन किया गया। विप्र परिषद के सदस्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार और स्वस्तिवाचन के साथ भारद्वाज का माल्यार्पण कर, शाल व श्रीफल भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर संरक्षक पंडित मालचंद शर्मा और अध्यक्ष पंडित राधेश्याम उपाध्याय सहित परिषद के कई वरिष्ठ सदस्य व विद्वान पंडित उपस्थित रहे।

युवक ने बाड़े में लगाई फांसी

नीमच । सिटी थाना क्षेत्र के ग्राम सेमली चंद्रावत में एक युवक का शव फंदे पर मिला। मृतक विवेक पिता शंभूलाल रावत (20) अपने घर के पास एक बाड़े में बने कमरे में फंदे से लटका मिला। परिजनों ने उसे तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना सोमवार देर रात की है।

पीएम के बाद परिजनों को सौंपा गया शव - मंगलवार सुबह सिटी पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया और मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। मृतक के पिता शंभूलाल रावत ने बेटे की मौत को संदिग्ध बताया है। उन्होंने पुलिस से गहन जांच की गुहार लगाते हुए कहा कि विवेक किसी दबाव में था और उसकी कॉल डिटेल से ही मौत के असली कारणों का खुलासा हो सकेगा।

पिता बोले-कॉल डिटेल्स से होगा मामले का खुलासा - मृत युवक के पिता का कहना है कि युवक के कॉल डिटेल से मामले का खुलासा होने की संभावना है। दरअसल, नेवड़ की एक युवती युवक पर शादी के लिए लगातार दबाव बना रही थी। यह भी चर्चा है कि जिस समय विवेक ने फांसी लगाई, उस वक्त वह फोन पर बात कर रहा था। पुलिस अब मोबाइल रिकॉर्ड और परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता चल सके।

कलेक्ट्रेट में एडीएम का निरीक्षण, रोजगार और आबकारी दफ्तर में मिले ताले

अनुपस्थित 52 कर्मचारियों का वेतन काटने के निर्देश

नीमच । कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में अपर कलेक्टर बीएस कलेश ने निरीक्षण किया। इस दौरान कई कार्यालयों में अधिकारी और कर्मचारी मौजूद नहीं मिले। कुल 52 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।

रोजगार और आबकारी कार्यालय बंद मिले - निरीक्षण के समय जिला रोजगार कार्यालय और जिला आबकारी कार्यालय में काम के समय ताले लटके हुए थे। वहां कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं था। इस लापरवाही पर एडीएम ने नाराजगी जताई और मौके पर ही उपस्थिति रजिस्टर जब्त कर लिया।

कई विभागों से कर्मचारी गायब - कलेक्ट्रेट के कक्ष क्रमांक 26 में सबसे ज्यादा 20 कर्मचारी गैरहाजिर मिले। इसके अलावा बाल विकास ग्रामीण विभाग के 8 और भू-अभिलेख विभाग के 5 कर्मचारी भी अपनी

सीटों से नदारद थे। महिला एवं बाल विकास, मत्स्य, राज्य निर्वाचन, पेंशन, नगर निवेश और खाद्य विभाग में भी कई कर्मचारी समय पर कार्यालय नहीं पहुंचे थे। हालांकि कृषि, उद्यानिकी, श्रम, जिला योजना और सहकारिता विभागों में सभी कर्मचारी मौजूद पाए गए। एक दिन का वेतन काटने के आदेश

इस लापरवाही पर कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने सभी 52 अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए हैं। साथ ही सभी को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है।इ इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि कार्यालय समय का पालन जरूरी है और लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भारत माता चौराहा के पीछे वाली सड़क का कायाकल्प अब कहलाएगी 'आचार्य शांति सागर मार्ग'

नपाध्यक्ष श्रीमती स्वाति चोपड़ा ने किया डामरीकरण कार्य का निरीक्षण, क्षेत्रवासियों ने किया भव्य स्वागत

नीमच | नगर पालिका परिषद नीमच द्वारा शहर के सौंदर्यीकरण और विकास की कड़ी में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि जुड़ गई है। वार्ड क्रमांक 20 के अंतर्गत भारत माता चौराहा (फोर जीरो) के पीछे स्थित पुस्तक बाजार से कमल चौक (मीना बाजार) तक की सड़क अब अपने नए और चौड़े स्वरूप में नजर आएगी। करीब 15 लाख रुपए की लागत से इस सड़क का चौड़ीकरण और डामरीकरण कार्य पूर्णता की ओर है।

मॉडल रोड के संकल्प की ओर बढ़ते कदम - शनिवार, 10 जनवरी को नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा ने पार्षदों और क्षेत्रवासियों के साथ इस मार्ग का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्य की गुणवत्ता जाँची और निर्माण एजेंसी को इसे समय सीमा में बेहतर फिनिशिंग के साथ पूरा करने के निर्देश दिए।

श्रीमती चोपड़ा ने बताया कि यह सड़क साढ़े सात फीट चौड़ी की गई है, जिससे यातायात सुगम होगा। टैगोर मार्ग को मॉडल रोड बनाने के प्रस्ताव के तहत ही इस लिंक रोड को विकसित किया गया है। परिषद द्वारा पूर्व में पारित प्रस्ताव के अनुसार, इस मार्ग का नाम अब 'आचार्य शांति सागर जी महाराज मार्ग' होगा।

जनता ने जताया आभार, फूल-मालाओं से हुआ स्वागत - सड़क के चौड़ीकरण और सौंदर्यीकरण से उत्साहित क्षेत्रवासियों ने नपाध्यक्ष का दो स्थानों पर पुष्पहारों से भव्य स्वागत किया।

विशेष रूप से जैन समाज के नागरिकों ने मार्ग का नाम महान संत आचार्य शांति सागर जी के नाम पर रखने के निर्णय की सराहना करते हुए श्रीमती चोपड़ा का धन्यवाद ज्ञापित किया।

सहयोग की अपील और मौके पर निराकरण - निरीक्षण के दौरान श्रीमती चोपड़ा ने क्षेत्र के दुकानदारों से संवाद कर उनसे सड़क सीमा में आने वाले चद्दर शेड और ऊंचे प्लेटफॉर्म को स्वेच्छा से पीछे हटाने का अनुरोध किया, ताकि सड़क की सुंदरता और चौड़ाई का पूर्ण लाभ जनता को मिल सके।

इस अवसर पर पार्षद श्री आलोक सोनी, योगेश कविश्वर, रूपेंद्र लोक्स, विनीत पाटनी, बोहरा समाज के वरिष्ठ हुशामुद्दीन डेरकी, विजय जैन (मेम साहब), मुकेश बाहेती, विशाल जैन सहित नपा कार्यालय अधीक्षक कन्हैया लाल शर्मा और लोक निर्माण विभाग के अर्जुन राठौर व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

फाइनेंस कर्मी पर लाठियों से हमला, दो गिरफ्तार

लूट के इरादे से वारदात, ग्रामीणों ने आरोपियों को पुलिस को सौंपा, दो फरार

नीमच । जिले के मनासा-कंजार्डा सड़क मार्ग पर सोमवार देर रात एक फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी पर लूट के इरादे से हमला किया गया। यह वारदात कंजार्डा के जंगल क्षेत्र में हुई।

कड़ी खुर्द निवासी किशोर गुर्जर (पिता मनोहर लाल) अपने काम से लौट रहे थे। रात करीब 9 से 10 बजे के बीच सुनसान जंगल में घात लगाए बैठे अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोकने का प्रयास किया। जब किशोर ने अपनी बाइक नहीं रोकी, तो हमलावरों ने उन पर लाठियों से हमला कर दिया। घायल होने के बावजूद, किशोर ने अपनी बाइक की रफ्तार बढ़ाई और सीधे कंजार्डा गांव की ओर भागे। बदमाश भी लूट के इरादे से उनका पीछा करते हुए गांव तक पहुंच गए। गांव में घुसते ही किशोर ने शोर मचाया, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों की भीड़ देखकर बदमाश भागने लगे।

दो को पकड़ा, दो फरार - युवाओं ने घेराबंदी कर चार में से दो बदमाशों को मौके पर ही पकड़ लिया। अन्य दो बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर जंगल में फरार हो गए। पकड़े गए बदमाशों को ग्रामीणों ने देर रात कंजार्डा चौकी पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से फरार साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है।

दुनिया में मंदीः भारत में आर्थिक मजबूती की रोशनी

ललित गर्ग

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दशार्ता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं।

वैश्विक चुनौतियों, भू-राजनीतिक तनावों, युद्धों, महामारी के पश्चात बनी अस्थिरताओं, ऊर्जा संकट, आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान और महँगाई के दबावों के बीच जब दुनिया की अनेक बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ लड़खड़ा रही हैं, तब भारत की अर्थव्यवस्था से जुड़े आँकड़े आशा, भरोसे और आत्मविश्वास की एक सशक्त किरण बनकर उभरे हैं। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़ों से स्पष्ट है लगभग 7.4 प्रतिशत की विकास दर पर कायम रहना केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनाई गई आर्थिक नीतियों की दृढ़ता, दूरदर्शिता, पारदर्शिता और संतुलन का प्रमाण है। जिसमें विनिर्माण, सेवाएं और सरकारी व्यय वृद्धि को गति मिलेगी। जाहिर है, इसका असर नौकरी, महंगाई, आमदनी, कर्ज, कर और सरकारी सुविधाओं पर पड़ेगा। ग्रामीण इलाकों में कृषि से जुड़े रोजगार में बढ़ोतरी हो सकती है, जो यह संकेत देता है कि भारत न केवल वैश्विक अस्थिरताओं से स्वयं को बचाने में सक्षम रहा है, बल्कि अवसरों को साधकर अपनी विकास-यात्रा को निरंतर गति भी दे रहा है।

आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहाँ अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्थाएँ मंदी और ऋण संकट से जूझ रही हैं, चीन की विकास गति में स्पष्ट सुस्ती दिखाई दे रही है, और अनेक विकासशील देशों पर ऋण, महंगाई तथा बेरोजगारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। ऐसे वातावरण में भारत का अपेक्षाकृत मजबूत आर्थिक प्रदर्शन यह दशार्ता है कि बीते एक दशक में अपनाई गई नीतियां केवल तात्कालिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि दीर्घकालिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता को ध्यान में रखकर बनाई गई हैं। मोदी सरकार ने आर्थिक सुधारों को केवल कागजी घोषणाओं तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करने का प्रयास किया, चाहे वह कर प्रणाली में सुधार हो, बुनियादी ढाँचे में निवेश हो या डिजिटल अर्थव्यवस्था का विस्तार। जिससे कर संग्रह और राजकोषीय घाटे पर कोई प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है। व्यापक अर्थव्यवस्था और आगामी केंद्रीय बजट दोनों के दृष्टिकोण से यह अच्छी बात है। जीडीपी दर के समांतर महंगाई काबू में रहे तो केंद्रीय रिजर्व बैंक ब्याज दरें घटा सकता है, जिसका सीधा असर कर्ज की किस्त पर पड़ सकता है। साथ ही, सरकार को मिलने वाला कर राजस्व बढ़ सकता है, जिससे ढांचागत और समाज कल्याण की योजनाओं पर खर्च बढ़ाया जा सकता है। शेयर बाजार में तेजी से म्यूचुअल फंड, भविष्य निधि आदि पर सकारात्मक असर हो सकता है। जीडीपी की दर 2024-25 में 6.5

फीसद की तुलना में अधिक है और यह मुख्य रूप से विनिर्माण और सेवाओं में वृद्धि के सुधार का नतीजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक दृष्टि का मूल आधार ह्यसुधार, प्रदर्शन और परिवर्तनह्ण रहा है। वस्तु एवं सेवा कर जैसे बड़े सुधारों ने भारतीय बाजार को एकीकृत किया, व्यापार को सुगम बनाया और कर-संग्रह की पारदर्शिता बढ़ाई। प्रारंभिक चुनौतियों के बावजूद, आज जीएसटी भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक स्थायी आधार बन चुका है। इसके साथ ही दिवालियापन एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों की स्थिति को मजबूत किया, जिससे फंसे हुए ऋणों की समस्या पर काफी हद तक अंकुश लगा। बैंकिंग प्रणाली की यह मजबूती ही है, जिसने निवेश और उद्यमिता को नई ऊर्जा दी है। मोदी सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह रही है कि उसने घरेलू मांग को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कृषि क्षेत्र और मध्यम वर्ग को सहारा देने वाली योजनाओं ने उपभोग को बनाए रखा। बुनियादी ढाँचे में बड़े पैमाने पर निवेश ने न केवल रोजगार के अवसर पैदा किए, बल्कि दीर्घकाल में उत्पादन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने में भी मदद की। सड़कें, रेलवे, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल नेटवर्क-इन सभी क्षेत्रों में हुए विस्तार ने भारत को एक अधिक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित किया है।

वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की आर्थिक मजबूती का एक बड़ा कारण उसकी संतुलित विदेश नीति और पड़ोसी देशों के साथ व्यावहारिक संबंध भी हैं। जहां एक ओर भारत ने विकसित देशों के साथ व्यापार और निवेश संबंधों को सुदृढ़ किया, वहीं दूसरी ओर पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने का प्रयास किया। यह संतुलन भारत को बाहरी झटकों से अपेक्षाकृत सुरक्षित रखता है। ऊर्जा, रक्षा, खाद्य सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों ने भी भारत की रणनीतिक और आर्थिक सुरक्षा को मजबूत किया है। डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों ने भारत की अर्थव्यवस्था में नवाचार और उद्यमिता की नई लहर पैदा की। आज भारत दुनिया के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है। फिनटेक, हेल्थटेक, एग्रीटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में हुए नवाचार न केवल घरेलू बाजार को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी भारत की पहचान बना रहे हैं। डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन को बढ़ाया, जिससे आर्थिक गतिविधियों का दायरा विस्तृत हुआ और पारदर्शिता में सुधार आया।

महत्त्वपूर्ण यह भी है कि मोदी सरकार ने आर्थिक विकास को सामाजिक कल्याण से अलग नहीं किया। गरीबों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों को सशक्त बनाने वाली योजनाओं ने सामाजिक स्थिरता को बनाए रखा, जो किसी भी अर्थव्यवस्था के लिए अनिवार्य होती है। सामाजिक सुरक्षा और बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति ने एक ऐसी नींव तैयार की, जिस पर टिकाऊ विकास संभव हो सका। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत की आंतरिक मांग और विश्वास कमजोर नहीं पड़ा। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। यह स्थिति केवल वर्तमान उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का संकेत है। वर्ष 2047, जब भारत अपनी आजादी के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब दुनिया की सर्वोच्च अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य अब केवल एक सपना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित यात्रा का परिणाम प्रतीत होता है। जनसांख्यिकीय लाभ, युवा शक्ति, तकनीकी क्षमता और राजनीतिक स्थिरताकृये सभी तत्व भारत को इस लक्ष्य के करीब ले जा रहे हैं।

निस्संदेह चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। वैश्विक परिस्थितियां कभी भी अचानक बदल सकती हैं, जलवायु परिवर्तन, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और भू-राजनीतिक तनाव नई कठिनाइयां पैदा कर सकते हैं। लेकिन जिस आत्मविश्वास, अनुशासन और दूरदर्शिता के साथ भारत ने अब तक इन चुनौतियों का सामना किया है, वह यह भरोसा देता है कि देश आगे भी संतुलन बनाए रखते हुए प्रगति करता रहेगा। 7.4 प्रतिशत की विकास दर केवल एक आँकड़ा नहीं, बल्कि उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। इस उजली तस्वीर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक नीतियों की स्पष्ट छाप दिखाई देती है। निर्णायक नेतृत्व, दीर्घकालिक सोच और सुधारों के प्रति प्रतिबद्धता ने भारत को एक ऐसे मोड़ पर खड़ा कर दिया है, जहां संभावनाएं अनंत हैं। वैश्विक असंतुलन और अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था का मजबूत बने रहना न केवल देशवासियों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि दुनिया के लिए भी एक संदेश है कि स्थिरता, संतुलन और आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलकर कोई भी राष्ट्र वैश्विक चुनौतियों को अवसरों में बदल सकता है। यही भारत की आर्थिक यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि और आने वाले दशकों की सबसे बड़ी आशा की किरण है। इन सब सकारात्मक स्थितियों के बावजूद जरूरत इस बात की भी है कि अर्थव्यवस्था की ठोस मजबूती के लिए उन पहलुओं पर भी गौर किया जाए, जिनकी अनदेखी हो रही है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

विश्व को खतरे में डालते ट्रंप

नए वर्ष का आगमन होते ही एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में अमेरिकी सेना वेनेजुएला पर हमला कर वहां के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी समेत उठाकर अमेरिका ले आई। विश्व को हैरान करने वाली इस घटना को पहले तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति के कथित संरक्षण में चल रहे नारकोटिक्स आतंक से जोड़ा, लेकिन शीघ्र ही यह स्पष्ट हो गया कि इस हमले का मूल उद्देश्य वेनेजुएला के तेल भंडारों पर कब्जा करना था। वेनेजुएला में कच्चे तेल के सबसे अधिक भंडार हैं। ट्रंप ने जिस तरह यह कहा कि अब वेनेजुएला के तेल को अमेरिका बेचेगा और वहां की अंतरिम राष्ट्रपति को उनका सहयोग करना होगा, उससे साफ है कि अमेरिकी राष्ट्रपति दादागीरी पर उतर आए हैं। वे संयुक्त राष्ट्र चार्टर के साथ अंतरराष्ट्रीय नियमों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसकी कल्पना करना कठिन था कि लोकतंत्र की दुहाई देने वाला अमेरिका किसी देश के राष्ट्रपति का अपहरण कर लेगा, लेकिन ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने ऐसा ही किया। यह चोरी और सीनाजोरी ही है। अमेरिका ऐसी हरकतें पहले भी करता रहा है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से उसने अपने संकीर्ण स्वार्थों को पूरा करने के लिए अनेक देशों पर हमले किए अथवा वहां छल-छद्म से तख्तापलट कराया। इस कोशिश में उसे कई बार मुंह की खानी पड़ी, लेकिन वह सबक सीखने को तैयार नहीं। अमेरिका को वियतनाम में मात मिली। इसके बाद अफगानिस्तान, इराक और लीबिया में भी वह वैसा कुछ नहीं कर सका, जिसका दावा कर उसने इन देशों पर हमला किया था। वह इन देशों में कुल मिलाकर नाकाम ही रहा। उसकी इस नाकामी का दुष्परिणाम इन देशों ने अस्थिरता और अशांति के रूप में देखा। वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले की विश्व के अनेक देशों ने निंदा की, लेकिन कई देश ऐसे भी रहे, जिन्होंने ट्रंप की सैन्य कार्रवाई का समर्थन किया अथवा जो मौन बने रहे। चूंकि अमेरिका एक बड़ी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति है, इसलिए कोई भी देश एक सीमा से अधिक उसका विरोध करने की स्थिति में नहीं। ट्रंप इसी का लाभ उठाकर मनमानी कर रहे हैं। उनके बेलगाम होने का एक कारण यह है कि उसे चुनौती दे सकने वाला रूस यूक्रेन युद्ध में उलझा है। करीब चार साल पहले यूक्रेन पर रूस का हमला उसकी मनमानी ही था। लगता है उसकी इस हरकत ने ट्रंप को भी मनमानी करने का मौका दिया। अब वे बेलगाम हैं। वेनेजुएला पर हमले के बाद वे डेनमार्क के स्वायत्तशासी क्षेत्र ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की बात कर रहे हैं। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। ट्रंप इस बहाने ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहते हैं कि उस पर रूस और चीन की निगाह है। उनका कहना है कि अमेरिकी हितों की रक्षा के लिए ग्रीनलैंड अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए। ग्रीनलैंड में अकूत प्राकृतिक संपदा है, जिसका अभी तक दोहन नहीं किया गया है। अमेरिका के अंदर यह विचार पहले भी रहा है कि जिस तरह अलास्का उसके नियंत्रण में आया, उसी तरह ग्रीनलैंड भी आए। ट्रंप उस पर सैन्य कार्रवाई के जरिये कब्जा करने के अलावा उसे खरीदने की बात भी कह रहे हैं। हालांकि वहां के लोग इसका विरोध कर रहे हैं, लेकिन वे बेपरवाह हैं। उन्हें डेनमार्क के साथ यूरोपीय देशों की नाराजगी की भी चिंता नहीं, जबकि वे नाटो के भविष्य को खतरे में बता रहे हैं। ट्रंप किस तरह अहंकार से भरे हुए हैं, इसका पता उनके इस कथन से चलता है कि उनकी आक्रामकता को सिर्फ वही रोक सकते हैं और अमेरिकी हितों के आगे किसी अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून का कोई महत्व नहीं।

चिंतन-मनन

उद्यम में है लक्ष्मी का वास

काम का ढेर देखकर कभी घबराना नहीं। मनुष्य काम करने के लिए ही जन्मा है। वह नहीं चाहेगा तो भी उसे काम करना ही पड़ेगा। जो कर्तव्य-कर्म करने में उत्साही है, वही दूसरों के लिए उपयोगी होने का सुख भोग सकता है। उद्यम में लक्ष्मी का वास है और आलस्य में अलक्ष्मी का। उद्यमी को देखकर कमनसीबी डरके भाग जाती है। उद्यम करने पर भी कभी ध्येय सिद्ध न हो तो भी उदास न हों, क्योंकि पुरुषार्थ अथवा प्रयत्न स्वयं ही एक बड़ी सिद्धि है। दुःख से कभी डरें नहीं, बल्कि उसे देखकर उसके सामने हँसें। आपको हँसते देखकर दुःख स्वयं ही डरके भाग जाएगा। मानव को दुःख का शिकार नहीं होना चाहिए, न ही सुख में फूलना चाहिए।

सुख सपना दुःख बुलबुला, दोनों हैं मेहमान।
दोनों बीतन दीजिए, जो भेजें भगवान?

स्व. कश्मीरीलालजी अरोरा स्मृति शतरंज प्रतियोगिता का समापन

गंगानगर परिवार ने सैकड़ों बच्चों के भविष्य के द्वार खोल दिए हैं - सांसद गुप्ता

नीमच 9 जनवरी (निप्र)। मुझे सपने में भी आभास नहीं था की नीमच में शतरंज की इंटरनेशनल प्रतियोगिता हो रही है मुझे तो लग रहा था कि यह प्रतियोगिता जिला लेवल पर आयोजित हो रही होगी और स्थानीय खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे होंगे लेकिन यहां आकर में आश्चर्यचकित हूं देश के विभिन्न कोने-कोने से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी नीमच में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं और लोगों को चौका रहे हैं जहां 5 वर्ष के साहब गोत्रा लोगों को चौका रहे थे, वही 85 वर्ष के वयो वृद्ध झांसी के आर के गुप्ता अपनी विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं।

वास्तव में गंगानगर परिवार बधाई का पात्र है। जिन्होंने नीमच की लाल माटी पर इतना बड़ा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट सैकड़ो बच्चों का भविष्य स्वर्णिम बना दिया है और उनके उन्नति के द्वार खोल दिए हैं यह सचमुच अद्भुत है और मुझे यहां आकर गर्व की अनुभूति हो रही है, कुछ दिनों पूर्व सांसद खेल प्रतियोगिता आयोजित हुई थी उसमें शतरंज खेल नहीं था लेकिन अरुल अशोक अरोरा गंगानगर ने इतना भव्य आयोजन कर उस कमी को भी दूर कर दिया हर तरफ यही चर्चा है। मैं संपूर्ण देश से आए खिलाड़ियों को बधाई देता हूं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

उपरोक्त विचार सांसद सुधीर गुप्ता ने लायन डेन में आयोजित शतरंज टूर्नामेंट में बतौर अतिथि व्यक्त किया गुप्ता जब टूर्नामेंट स्थल पर पहुंचे तो वहां लोगों का हुजूम देखकर चकित रह गए वे खिलाड़ियों के बीच पहुंचे उनसे परिचय प्राप्त किया और शतरंज खेल की बारीकियां को समझते हुए बहुत देर तक शतरंज का मैच भी देखा, इस अवसर पर उनके साथ भोपाल से आए चीफ आर्बिटल यशपाल अरोरा, सांसाद प्रतिनिधि आदित्य मालू, कार्यक्रम के आयोजक अशोक अरोरा गंगानगर करीब 30 मिनट तक खिलाड़ियों के खेल को निहारा उनकी प्रतिभा देखकर वह बहुत खुश हुए।

गुप्ता का जिला चेस एसोशिएशन के पदाधिकारीयो व ऑर्गेनाइजेशन कमेटी के सदस्यों ने पुष्पहारों से आत्मीय स्वागत किया।

रात को हुआ पुरुस्कार वितरण - 2 घंटे की मशक्कत के पश्चात कंप्यूटर से पुरस्कारों की गणना हुई और घोषणा हुई इसके पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगरपालिका की प्रथम नागरिक स्वाति गौरव चोपड़ा, गोपाल गर्ग जीजी व समाजसेवी अशोक अरोरा ने पुरस्कारों का वितरण किया। करीब 43 कैटेगरी में पुरस्कार वितरण किए गए जिसमें ट्रॉफी के साथ नगद पुरस्कार भी दिए गए चैंपियनशिप पुरस्कार निम्न रहे।

मेन प्राइज (MAIN PRIZE) - 1. अरुण कटारिया राजस्थान - 21000/-, 2. प्रणव चोरडिया राजस्थान - 11000/-, 3. हरीश शर्मा दिल्ली - 5100/-, 4. प्रताप सिंह सोलंकी मप्र 2100/-, 5. मृदुल त्रिपाठी मप्र - 2100/-, 6. हितेश एस. जरिया मप्र - 2100/-, 7. वैभव तोमर मप्र- 2100/-, 8. डॉ. अरविंद गोस्वामी मप्र - 2100/-, 9. आर. के. गुप्ता राजस्थान - 2100/-, 10. यशवंत परमार नीमच- 2100/- ।

बेस्ट एमपी (BEST MP) - 1. अमोल चौहान (MP) - 5100/-, 2. एस. के. राठौर (MP) - 2100/- ।

बेस्ट नीमच (BEST NEEMUCH) - 1. जयंत रेकवार नीमच- 5100/-, 2. जीवन पाटीदार नीमच - 2100/-

इसकी कड़ी में अन्य कैटेगरी में भी नगद पुरुस्कार व सर्टिफिकेट सहित ट्रॉफियां वितरण किया गया।

पेंशनर मिलन समारोह सम्पन्न

नीमच । 13 जनवरी को पेंशनर मिलन समिति द्वारा केन्द्र सरकार मप्र सरकार राजस्थान सरकार के समस्त विभागों के पेंशनरो का मिलन समारोह शिक्षक सहकार भवन नीमच पर आयोजित किया गया । जिसमें 225 पेंशनरों ने भाग लिया । सर्वप्रथम कार्यक्रम का आरम्भ माँ सरस्वती का पूजन वंदन समिति के सदस्यों डॉ. एल.एन. शर्मा, राधेश्याम पाटीदार, सीके शर्मा, घनश्याम नीमा, पारसमणी जैन, सुकुमार आगार हरिश उपाध्याय भंवरलाल बसेर जगमोहन श्रीवास्तव कमल शर्मा, महेन्द्र जोशी, श्रीपाल जैन ने किया । सरस्वती वंदना श्रीमती हेमलता धाकड़ा द्वारा तथा सभी पेंशनरो का शब्दो द्वारा स्वागत किया गया ।

विघ्नहर्ता गणेश को ऐसे मनाएं

विघ्नहर्ता विनायक भगवान गणेश की पूजा यदि सच्चे मन से की जाए तो हर समस्या का समाधान संभव है। बुधवार भगवान गणेश का दिन होता है। बुधवार को गणेश की पूजा करें तो संतान, शिक्षा और भाग्य समृद्ध होता है। गणपति की उपासना से कुंडली के अशुभ योग भी खत्म हो जाते हैं। इसीलिए कलयुग में उन्हें विघ्नविनाशक के रूप में पूजा जाता है। श्रीगणेश जी की बुधवार को पूजा करने का विधान हमारे धर्मग्रंथों में मौजूद है।

बुधवार को प्रातःकाल में स्नानादि से निवृत होकर ताम्र पत्र के श्री गणेश यन्त्र को नमक, नींबू से अच्छे से साफ करें। यंत्र को शुद्ध जल से धोने के बाद पूजा स्थल पर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख कर के आसान पर विराजमान हो कर सामने श्री गणेश यन्त्र की स्थापना करें। आसान पर बैठने के बाद दांयी हथेली में जल ले कर आसान व भूमि पर जल छिड़कते हुए नीचे लिखे मंत्र को पढ़ें....

ऊं अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोपि वा।
यः स्मरेत पुण्डरीकाक्षं स बाह्यभ्यन्तरः शुचिः।।

अब गणेश यंत्र को शुद्ध जल चढ़ाते हुए मंत्र बोले

गंगे च यमुने चैव गोदावरि सरस्वति ।
नर्मदे सिन्धु कावेरि जलऽस्मिन्सन्निधिं कुरु।।

यदि आप इस मंत्र की आराधना सच्चे मन से करते हैं तो आपकी मनोकामना जरूर पूरी होती है।

फलदायी होती हैं हनुमान चालीसा की ये चौपाइयां

हनुमानजी की स्तुति हनुमान चालीसा से हम सभी परिचित हैं। हनुमान चालीसा की रचना गोस्वामी तुलसीदास जी ने की थी। हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित है कि बाल्यकाल में जब हनुमानजी ने सूर्य को मुंह में रख लिया तब सूर्य को मुक्त कराने के लिए देवराज इंद्र ने हनुमानजी पर शस्त्र से प्रहार किया। इसके बाद हनुमान जी मूर्छित हो गए। हनुमानजी के मूर्छित होने की बात जब वायु देव को पता चली तो काफी नाराज हुए। लेकिन जब सभी देवताओं को पता चला कि हनुमानजी भगवान शिव के रुद्र अवतार हैं, तब सभी देवताओं ने हनुमानजी को कई शक्तियां दीं। देवताओं ने जिन मंत्रों और हनुमानजी की विशेषताओं को बताते हुए उन्हें शक्ति प्रदान की थी, उन्हीं मंत्रों के सार को गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमान चालीसा में वर्णित किया है। हनुमान चालीसा में मंत्र नहीं हैं लेकिन हनुमानजी की पराक्रम की विशेषताएं बताई गई हैं। हनुमान चालीसा में ही ऐसी 5 चौपाईयां हैं, जिनका यदि नियमित सच्चे मन से वाचन किया जाए तो यह परम फलदायी सिद्ध होती हैं। हनुमान चालीसा का वाचन मंगलवार या शनिवार करना शुभ होता है। ध्यान रखें हनुमान चालीसा की इन चौपाइयों को पढ़ते समय उच्चारण की त्रुटि न करें।

भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महावीर जब नाम सुनावे।।

उपाय- यदि व्यक्ति को किसी भी प्रकार का भय सताता है तो नित्य रोज प्रातः और सायंकाल में 108 बार इस चौपाई का जाप किया जाये तो सभी प्रकार के भय से मुक्ति मिलती है।

नासै रोग हरै सब पीरा। जपत निरंतर हनुमत बल बीरा।।

उपाय- यदि व्यक्ति बीमारियों से घिरा रहता है तो निरंतर सुबह-शाम 108 बार जप करके तथा मंगलवार को हनुमान जी की मूर्ति के सामने पूरी हनुमान चालीसा के पाठ से रोगों की पीड़ा खत्म हो जाती है।

अष्ट-सिद्धि नवनिधि के दाता। अस बर दीन जानकी माता।।

उपाय- यदि जीवन में व्यक्ति को शक्तियों की प्राप्ति करनी है ताकि जीवन निर्वाह में मुश्किलों का कम सामना करना पड़े तो नित्य रोज, ब्रह्म मुहूर्त में आधा घंटा इन पंक्तियों के जप से लाभ प्राप्त हो सकता है।

विद्यावान गुनी अति चातुर। रामकाज करीबे को आतुर।।

उपाय- यदि किसी व्यक्ति को विद्या और धन चाहिए तो इन पंक्तियों के जप से हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त हो जाता है। प्रतिदिन 108 बार ध्यानपूर्वक जप करने से व्यक्ति के धन सम्बंधित दुःख दूर हो जाते हैं।

भीम रूप धरि असुर संहारे। रामचंद्रजी के काज संवारे।।

उपाय- यदि कोई व्यक्ति शत्रुओं से परेशान हैं या व्यक्ति के कार्य नहीं बन पा रहे हैं तो हनुमान चालीसा की इस चौपाई का कम से कम 108 बार जप करना चाहिए।

जैन मुनि को केश-लोचन करना अनिवार्य होता है

हाल ही में गुजरात 12वीं बोर्ड में 99.99 प्रतिशत हासिल करने वाले वर्शिल शाह जैन, जैन संत बन गए हैं। वर्शिल महज 17 साल के हैं और गुजरात के ही पालड़ी के रहने वाले हैं। दर्शिल अब जैन मुनि सुवीर्य रत्न विजयजी महाराज के नाम से जाने जाएंगे। पिछले वर्षों में गौर किया जाए तो युवाओं द्वारा संन्यास लेने की सिलसिला काफी बड़ा है। जैन धर्म के अनुयायियों के लिए भले ही यह पूरा घटनाक्रम सकारात्मक हो, लेकिन जैन धर्म के इतिहास पर नजर डालें तो पाएंगे कि जैन धर्म में संन्यास लेने वाले अनुयायी को मुनि की उपाधि दी जाती है। संन्यास लेने के बाद जैन मुनि को निर्ग्रन्थ भी कहा जाता है। मुनि शब्द पुरुषों के लिए तो आर्यिका शब्द स्त्री संन्यासियों को संबोधित किया जाता है। प्रत्येक जैन मुनि को केश-लोच करना अनिवार्य होता है।

तो क्या इतना प्राचीन है जैन धर्म

जैन धर्म ग्रंथों के अनुसार यह धर्म अनादि और सनातन है। यदि आर्यों के भारत आने के बाद से भी देखा जाये तो ऋषभदेव और अरिष्टनेमि को लेकर जैन धर्म की परंपरा वेदों तक पहुंचती है। पुराणों में वर्णित है महाभारत के युद्ध के समय इस संप्रदाय के प्रमुख नेमिनाथ थे, जो जैन धर्म में मान्य तीर्थंकर हैं। आठवीं सदी में 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ हुए, जिनका जन्म काशी में हुआ था। काशी के पास ही 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ का जन्म हुआ था। इन्हीं के नाम पर सारनाथ का नाम प्रचलित है। जैन धर्म में श्रमण संप्रदाय का पहला संगठन पार्श्वनाथ ने किया था। ये श्रमण वैदिक परंपरा के विरुद्ध थे। महावीर तथा बुद्ध के काल में ये श्रमण कुछ बौद्ध तथा कुछ जैन हो गए थे। इन दोनों ने अलग-अलग अपनी शाखाएं बना लीं। भगवान महावीर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर थे, जिनका जन्म लगभग ई.पू. 599 में हुआ और जिन्होंने 72 वर्ष की आयु में देहत्यागी। महावीर स्वामी ने शरीर त्यागने से पहले जैन धर्म की नींव काफी मजबूत कर दी थी। अहिंसा को उन्होंने जैन धर्म में अच्छी तरह स्थापित कर दिया था। सांसारिकता पर विजयी होने के कारण वे जिन (जयी) कहलाए। उन्हीं के समय से इस संप्रदाय का नाम जैन हो गया।

क्या आप भी भगवान को फूल चढ़ाते हैं

राजा राम मोहन राय के बगीचे में बड़े ही सुंदर फूलों के पेड़ लगे थे। एक व्यक्ति था जो हर रोज वहां आता और उनसे पूछे बिना ही पूजा के लिए फूल तोड़ कर ले जाता। यह सिलसिला लगातार कई दिनों तक चलता रहा। रोज की तरह ही एक दिन उस व्यक्ति ने फूल तोड़ने के लिए अपनी चादर उतारी और पेड़ पर लटका कर फूल तोड़ने लगा। उसी समय राजा राम मोहन राय के आदेशानुसार एक सेवक ने उस व्यक्ति की वह चादर उठा ली और राजा राम मोहन राय को दे दी।

फूल तोड़ने के बाद जब वह व्यक्ति अपनी चादर लेने के लिए उस पेड़ के पास गया, जहां उसने उसे लटकाई थी, तो वहां चादर न देख वह हैरान रह गया और सोचने लगा कि आखिर उसकी चादर गई कहां? वह गुस्से से आग-बबूला हो गया। कुछ देर बाद राजा राम मोहन राय आए और उन्होंने उस व्यक्ति को उसकी चादर लौटाते हुए कहा, 'अब तो खुश हैं आप, आपको आपकी चादर वापस मिल गई।

उस व्यक्ति ने गुस्से में ही जवाब दिया, खुश? इसमें खुश होने वाली कौन-सी बात है, मुझे अपनी ही वस्तु मिली है।''

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से पूछा, आप रोज फूल तोड़कर कहां ले जाते हैं?

उस व्यक्ति ने जवाब दिया, मैं ये फूल तोड़कर मंदिर में ले जाता हूं। भगवान को खुश करने के लिए उनको ये फूल अर्पित करता हूं।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति का यह जवाब सुनकर कहा, पहली बात तो यह कि आप बिना पूछे ही फूल तोड़कर ले जाते हैं। चलो कोई बात नहीं, लेकिन आप भगवान की दी हुई वस्तु भगवान को अर्पित करते हैं, तो इससे भगवान खुश होते हैं क्या?

उस व्यक्ति ने कहा, क्यों नहीं, भगवान को फूल ही तो पसंद हैं, भगवान को फूलों से खुशी मिलती है।

राजा राम मोहन राय ने उस व्यक्ति से कहा, तो आपको चादर मिलने पर खुशी क्यों नहीं हुई?

राजा राम मोहन राय की यह बात सुनकर वह व्यक्ति सोच में पड़ गया और राजा राम मोहन राय बिना कुछ और कहे लौट गए।

संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं।

पाप-कर्म और पुण्य-कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है

शुभ और अशुभ व पुण्य और पाप की समस्या कर्म-फल-सिध्दांत पर आधारित हैं। जीव यदि अशुभ कर्मों की ओर प्रेरित होता है तो इसके पीछे उसकी अल्पज्ञता, अज्ञान होता है। संसार का हर धर्म शुभ-अशुभ और पाप-पुण्य के इर्द-गिर्द घूमता रहता है। ईसाई धर्म में ईश-चिंतन के संदर्भ में उक्त विचारधारा प्राप्त होती है। ईश्वर परम शुभ है। अतः उस पर पाप या अशुभ का आरोपण नहीं किया जा सकता। बाइबिल में काम-वासना को पाप या अशुभ की संज्ञा दी गई है और उसका शैतान कहा गया है। ईसाई नीतिशास्त्र में पाप या अशुभ पर विचार करते हुए कतिपय महत्वपूर्ण प्रश्न उठाए गए हैं। इस संसार का निर्माण परमेश्वर ने किया, किन्तु संसार में सर्वत्र पाप ही पाप है। यदि ईश्वर ने सृष्टि की रचना की और ईश्वर शुभ और सर्वशक्तिमान है तो सृष्टि में शुभ ही शुभ होना चाहिए। ईसाई धर्म के अनुसार ईश्वर ने मनुष्य को कर्म की स्वतंत्रता प्रदान की है। अत- अच्छे-बुरे या पाप-कर्म और पुण्य कर्म का चयन मनुष्य स्वयं करता है। यदि हम हिन्दू धर्म की मान्यताओं के अनुसार विचार करें तो सगुण ईश्वर का अवतार अशुभ के विनाश के लिए ही होता है। जैसा कि गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं जब-जम अधर्म का विस्तार होता है मैं धर्म की स्थापना के लिए अवतार ग्रहण करता हूं। बाइबिल में ईसा मसीह को पुत्रेश्वर कहा गया है। परमेश्वर के पुत्र के रूप में ईसा मसीह संसार के पापों को दूर करने के लिये-ही धरती पर आए थे।

मालवा की वैष्णो देवी नीमच की भादवा माता

गुप्त नवरात्र शुरू हो गए हैं। इस मौके पर हम आपको एक ऐसे शक्तिपीठ के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में कहा जाता है कि उनकी कृपा से शहर में कोई भूखा नहीं सोता। किसी के पास पैसे की तंगी नहीं रहती है। लोक कथाओं के अनुसार, हरसिद्धि मंदिर में उज्जैन के राजा रहे विक्रमादित्य की आराध्य देवी का वास है। शिवपुराण के अनुसार दक्ष प्रजापति के हवन कुंड में माता के सती हो जाने के बाद भगवान भोलेनाथ सती को उठाकर ब्रह्मांड में ले गए थे। इस दौरान माता सती के अंग जिन स्थानों पर गिरे, वहां शक्तिपीठ स्थापित हो गए। कहा जाता है इस स्थान पर माता के दाहिने हाथ की कोहनी गिरी थी और इसी कारण से यह स्थान भी एक शक्तिपीठ बन गया है। स्कंद पुराण के अनुसार, देवी को चंड एवं मुंड नामक राक्षस के वध के लिए भगवान शिव से सिद्धि मिली थी, इसीलिए वह हरसिद्धि कहलाई। गर्भगृह में एक शिला पर श्रीयंत्र उत्कीर्ण है, जो शक्ति का प्रतीक है। यहां माता लक्ष्मी, महासरस्वती के साथ ही अन्नपूर्णा माता विराजमान हैं। यह स्थान उज्जैन के प्राचीन देवी स्थानों में अपना विशेष महत्व रखता है। वर्तमान में मंदिर के पुनर्निर्माण का श्रेय मराठों को जाता है। मंदिर के सामने मराठा वास्तुकला के अनुसार दीप स्तंभ स्थापित किए गए हैं, जिनमें 1001 दिये बने हुए हैं। दक्षिण में बनी एक बावड़ी पर 1447 संवत का एक शिलालेख भी उत्कीर्ण है। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित शेषनारायण गोस्वामी ने बताया कि गर्भगृह में सबसे ऊपर विराजमान हैं मां अन्नपूर्णा, जिनकी वजह से उज्जैनी में हमेशा भंडारे चलते रहते हैं। कहा जाता है कि उनकी कृपा से उज्जैन में कोई भूखा नहीं सोता है। बीच में मां लक्ष्मी के स्वरुप में है, जिनकी वजह से किसी को भी लक्ष्मी की कमी नहीं आती। सबसे नीचे विराजित हैं महाकाली।

सरवानिया महाराज में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम देवी अहिल्याबाई होलकर रखने की मांग, सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

सरवानिया महाराज । नगर में नव निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नामकरण देवी अहिल्याबाई होलकर के नाम पर करने तथा उनके सम्मान में प्रतिमा स्थापित करने की मांग को लेकर धनगर पूर्बिया समाज एवं समस्त नगरवासियों ने नगर परिषद प्रभारी सीएमओ राकेश चौहान को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि देवी अहिल्याबाई होलकर भारतीय इतिहास की महान लोककल्याणकारी, न्यायप्रिय और जनसेविका रही हैं। उनके शासनकाल में शिक्षा, स्वास्थ्य, धर्म और जनकल्याण के क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कार्य हुए। समाज का मानना है कि उनके नाम पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नामकरण करने से आने वाली पीढ़ियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी। नगरवासियों ने यह भी मांग की कि स्वास्थ्य केंद्र परिसर में देवी अहिल्याबाई होलकर की प्रतिमा स्थापित की जाए, जिससे नगर में उनके प्रति सम्मान और स्मृति को स्थायी रूप से संरक्षित किया जा सके। समाज के लोगों ने यह भरोसा भी दिलाया कि प्रतिमा स्थापना से जुड़ा व्यय धनगर पूर्बिया समाज एवं जनसहयोग से वहन किया जाएगा। नगर परिषद को दिए गए आवेदन में जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए शीघ्र निर्णय लेने की मांग की गई है। नगरवासियों को उम्मीद है कि प्रशासन इस जनभावना का आदर करते हुए सकारात्मक कदम उठाएगा। इस दौरान लक्ष्मी नारायण पाल पेंटर सत्यनारायण पाल जगदीश गुजेला मनालाल पाल, दीनदयाल (कन्हैयालाल) पाल, डा. राजूलाल पाल, कारूलाल पाल, कन्हैयालाल पूर्व पार्षद, गोविंद पाल, जगदीश पाल, उदयराम पाल, लाभचंद पाल, प्रभुलाल पाल, भोनीराम पाल, सुरेश पाल, प्रह्लाद पाल, सुनील पाल सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

नीमच के चिंताखेड़ा में ट्रेंचिंग ग्राउंड का विरोध

स्कूल के पास कचरा डालने पर उग्र आंदोलन और भूख हड़ताल की चेतावनी दी

नीमच । नगर पालिका द्वारा जीरन तहसील के ग्राम चिंताखेड़ा में शहर का कचरा डालने के लिए प्रस्तावित ट्रेंचिंग ग्राउंड का मामला गरमा गया है। सोमवार को सरपंच के नेतृत्व में बड़ी संख्या में ग्रामीण नीमच कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के खिलाफ नाराजगी व्यक्त की।

ग्रामीणों ने तहसीलदार अजेंद्रनाथ प्रजापत को एक ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई है कि शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल के सामने प्रस्तावित इस ट्रेंचिंग ग्राउंड के निर्माण के निर्णय को तत्काल निरस्त किया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर नगर पालिका कचरा फेंकने की योजना बना रही है, वहां पास ही एक स्कूल है। इस स्कूल में आसपास के करीब 10-12 गांवों के 500 से अधिक छात्र शिक्षा ग्रहण करते हैं। यह स्कूल एक प्रमुख बोर्ड परीक्षा केंद्र भी है। कचरे के ढेर से उठने वाली दुर्गंध और गंदगी के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित होगी और उनके स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा। ग्रामीणों ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

बीमारियां फैलने का अंदेशा

– विरोध जता रहे ग्रामीणों ने बताया कि चिन्हित की गई भूमि आबादी क्षेत्र से महज 500 से 700 मीटर की दूरी पर है, जिससे पूरे गांव में संक्रमण और बीमारियां फैलने का अंदेशा बना रहेगा। यह भूमि मुख्य मार्ग से भी जुड़ी हुई है और पास में ही अंबा माता का मंदिर स्थित है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। कचरा घर बनने से श्रद्धालुओं और राहगीरों का वहां से गुजरना मुश्किल हो जाएगा। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि यह भूमि पूर्व में पुलिस चौकी के लिए प्रस्तावित की गई थी। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि ट्रेंचिंग ग्राउंड बनाने का फैसला वापस नहीं लिया गया, तो समस्त ग्रामवासी आने वाले दिनों में उग्र आंदोलन और भूख हड़ताल पर बैठने को मजबूर होंगे। इसकी पूरी जवाबदारी नगर पालिका और जिला प्रशासन की होगी।

अब 12वीं की 10 फरवरी और 10वीं की 13 फरवरी से शुरू होंगी परीक्षाएं

भोपाल 12 जनवरी (एजेंसी)। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल ने साल 2026 की बोर्ड परीक्षाओं का नया संशोधित टाइमटेबल जारी कर दिया है। इसमें 10वीं और 12वीं दोनों कक्षाओं की परीक्षाओं की तारीखों और कुछ विषयों के क्रम में बदलाव किया गया है। नई शेड्यूल के अनुसार, 10वीं कक्षा का हिंदी का पेपर, जो पहले 11 फरवरी को होना था, अब 6 मार्च को होगा। वहीं 12वीं के उर्दू और मराठी का पेपर, जो पहले 9 फरवरी को होना था, अब 6 मार्च को होगा। इसके अलावा 12वीं का हिंदी का पेपर 7 फरवरी की जगह 7 मार्च को होगा। परीक्षाएं सुबह 09:00 बजे से 12:00 बजे तक आयोजित होंगी। बोर्ड ने साफ निर्देश दिए हैं कि सभी स्कूल विद्यार्थी-सूचना, प्रश्न-पत्र की तैयारी, विषय और समय में बदलाव को जल्द प्रसारित करें। बोर्ड के नए टाइमटेबल के अनुसार, कक्षा 12वीं की मुख्य परीक्षाएं 10 फरवरी 2026 से प्रारंभ होंगी। पहली परीक्षा अंग्रेजी की होगी, इसके बाद 13 फरवरी को फिजिक्स, इकोनॉमिक्स और व्यावसायिक विषयों की परीक्षा तय की गई है।

ग्वालटोली में आयोजित हुआ विराट हिन्दू सम्मेलन, उमड़े सनातनी

नीमच 12 जनवरी (निप्र)। सकल हिंदू समाज- सुदर्शन बस्ती, ग्वालटोली, लोहार बस्ती, स्कीम नंबर 36 ए बी नीमच द्वारा हिंदू जागरण की दिशा को नई ऊर्जा और चेतना प्रदान करने हेतु बस्ती में रविवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसके अंतर्गत क्षेत्र में भव्य शोभायात्रा एवं कलशयात्रा निकाली गई जो प्रातः 11:30 बजे श्री रिद्धि सिद्धि गणेश मंदिर से प्रारंभ हुई। ढोल ढमाके, डीजे, बैंड, ध्वजा के साथ शोभायात्रा नाका चौराहा, हाईवे रोड, प्रजापति मोहल्ला, बंगाली कॉलोनी होते हुए श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में पहुंची। इस शोभायात्रा में सुदर्शन बस्ती में निवासरत सकल हिंदू समाज के सैकड़ो परिवारजन सम्मिलित हुए, जो डीजे की धुन पर बज रहे भजनों व देशभक्ति के गीतों पर नाचते गाते चल रहे थे। इस दौरान सभी ने जय जय सियाराम और भारतमाता के जयकारे लगाए। शोभायात्रा के पश्चात श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां सर्वप्रथम मंच पर अतिथियों ने भारतमाता व श्रीराम दरबार की पूजा अर्चना कर पुष्प वर्षा की। इसके पश्चात विभिन्न स्कूलों के बच्चों ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कुछ बालिकाओं ने पंच परिवर्तन की मनमोहक रंगोली बनाई, जो सभी के आकर्षण का केंद्र रही। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्व हिंदू परिषद के जिलामंत्री कैलाश मालवीय, मातृशक्ति की जिला चिकित्सा अधिकारी निरुपमा झा, महंत शंभूजी गिरी महाराज चामुंडा माता मंदिर मल्हारगढ़, कार्यक्रम के संयोजक ओमप्रकाश अहीर सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्यजन उपस्थित हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ताओं ने आरएसएस के इतिहास की जानकारी देने के साथ देश में वर्तमान समय में बन रही स्थिति पर चिंता जताई और कहां की सभी हिंदुओं को एकजुट होना होगा। अलग-अलग जातियों में बटने की बजाय सभी हिंदू एक साथ आए तभी हमारा देश सुरक्षित रह पाएगा। बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के साथ एक जुट रहने का पाठ पढ़ाये। अतिथियों के उद्बोधन के पश्चात भारतमाता की आरती की गई। उसके पश्चात आयोजन स्थल पर महाप्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ो की संख्या में हिंदू समाजजन सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के अंत में मंच पर मनमोहक प्रस्तुति देने वाले विभिन्न विद्यालयों के बच्चों एवं पंच परिवर्तन की रंगोली बनाने वाली बालिकाओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में कार्यक्रम संयोजक ओमप्रकाश अहीर ने आभार माना।

नपा में हुई जल सुनवाई : ऑफिस में सुनी समस्या, मौके पर जाकर करवाया निराकरण

नीमच । मुख्यमंत्री द्वारा नागरिकों को शुद्ध जल उपलब्ध करवाने एवं पेयजल संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए संपूर्ण प्रदेश में प्रारंभ की गई जल सुनवाई के तहत नगरपालिका परिषद् नीमच द्वारा भी नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा के मार्गदर्शन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती दुर्गा बामनिया के नेतृत्व में नगर पालिका कार्यालय स्थित जलकल शाखा में मंगलवार 13 जनवरी को जल सुनवाई का आयोजन किया गया ! जलकल सभापति श्रीमती छाया वीरेंद्र जायसवाल ने जलकल अधिकारियों के साथ बैठकर नागरिकों की पेयजल संबंधी समस्याएं सुनी तथा जलकल अमले के साथ मौके पर जाकर समस्या का निराकरण करवाया ! प्रथम जल सुनवाई में 7 नागरिकों की समस्या सुनकर उनका निराकरण किया गया ! मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती बामनिया ने बताया कि जलसुनवाई में लीकेज की पांच समस्याएं तथा एक शिकायत नल में पानी नहीं आने तथा एक शिकायत नल कनेक्शन की मांग से संबंधित थी ! लीकेज संबंधी पांच समस्याओं में से चार का निराकरण किया गया तथा एक का कार्य प्रगति पर है ! इसी प्रकार नल में पानी नहीं आने की शिकायत का मौके पर जाकर निराकरण किया गया तथा नल कनेक्शन संबंधी शिकायत पर आवेदक को विधिवत आवेदन देकर नल कनेक्शन लेने की समझाइश दी गई ! जल सुनवाई में जलकल शाखा प्रभारी उप यंत्री श्रीमती अनु सोलंकी, केमिस्ट सुरेश पवार, नाथु लाल नागर व बीटीएल कंपनी के आकाश भी उपस्थित थे ! जलकल सभापति श्रीमती जायसवाल एवं उपयंत्री श्रीमती सोलंकी ने नपा अमले के साथ मौके पर जाकर लिकेज दूरस्ती कार्य करवाया एवं समस्या का निराकरण किया ।

कार्यालय नगरपालिका परिषद नीमच जिला नीमच (म.प्र.)

क्रं./532/ई-टेण्ड./01/स्वास्थ्य/वि./2026/ — नीमच, दिनांक 9/01/2026

ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रण सूचना

क्रं./टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा पत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा पत्र की अंतिम तिथि
2026_UAD_473947	एमआरएफ प्लांट मशीनरी क्रय एवं सप्लाई कार्य	06 Months RS. 24209363.00	Rs. 15000 Rs. 121000 + GST	09.02.2026
2026_UAD_473948	कम्पोस्टिंग प्लांट निर्माण	06 Months RS. 25418504.00	Rs. 15000 Rs. 127100 + GST	09.02.2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाइट http://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है ।

नोट : निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन http://mptenders.gov.in की वेबसाइट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा ।

श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा, अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद नीमच | श्री धर्मेश पुरोहित, सभापति स्वास्थ्य विभाग, नगरपालिका परिषद नीमच | मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद नीमच

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।